प्रेस विज्ञप्ति

30 जनवरी, 2026

हडको ने वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ माह की निरंतर विकास की रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली: हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न इंफ्रास्ट्रक्चर वित्तीय कंपनी है, जो देश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में *विकसित भारत 2047 के विजन के साथ* अहम भूमिका निभा रही है। तिमाही दर तिमाही निरंतर वित्तीय वृद्धि में दिखने वाले अपने सुसंगत प्रदर्शन के साथ, हडको भावी महत्वपूर्ण अवसरों का लाभ उठाने में और भी प्रभावपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अच्छी स्थिति में है। वित्त वर्ष 2026 में समाप्त हुए नौ माह के दौरान, हडको ने ₹2,053.06 करोड़ का शुद्ध लाभ, साथ ही अब तक की उच्चतम ऋण स्वीकृतियां, संवितरण और लोन बुक भी प्राप्त की।

वित्त वर्ष 2025-26 को समाप्त हुए नौ माह के लिए, ऋण स्वीकृतियों की राशि 1,39,152 करोड़ रुपये थी, जबकि ऋण संवितरण 41,347 करोड़ रुपये थी। इस दौरान प्रचालन से राजस्व 9,587.54 करोड़ रुपये था, जो दृढ व्यवसाय मोमेंटम को प्रदर्शित करता है। लोन बुक 1.56 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जबकि मूल परिसम्पत्ति गुणवत्ता बनी रही। कंपनी के बोर्ड ने वार्षिक उधार प्लान को ₹65,000 करोड़ से बढ़ाकर ₹80,000 करोड़ करने की भी मंज़ूरी दे दी है, जिससे फंड जुटाने में मदद मिलेगी। कंपनी वित्त वर्ष 2026 के दौरान शेयरहोल्डर्स को कुल 33% (3.30 रुपये प्रति शेयर) के अंतरिम लाभांश भुगतान के साथ शेयरहोल्डर्स को अधिकतम रिटर्न देना जारी रखे हुए है। इसके अतिरिक्त, कंपनी दिसंबर 2024 में 0.27% से एनपीए को घटाकर 0.06% करने के साथ, ज़ीरो नेट एनपीए कंपनी बनने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुँच रही है।

श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हडको ने तिमाही परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ माह में ही ₹1.50 लाख करोड़ की लोन बुक के अपने वित्त वर्ष 2026 मार्केट गाइडेंस को पूरा कर लिया है। कंपनी लगातार मार्केट विकास पर नियंत्रण बनाए हुए है और संगठनात्मक सुधार भी कर रही है, जिससे इस निरंतर वृद्धि में मदद मिली है। इनमें पुरानी नीतियों में संशोधन और ईएसजी नीति जैसे नए फ्रेमवर्क बनाना, नई भर्ती और एचआर पुनर्गठन, ईआरपी और ई-ऑफिस प्रणाली सहित डिजिटल पहल का अंगीकरण और प्रचालनों में ज़्यादा पारदर्शिता शामिल है। इसके अतिरिक्त, हडको क्षमता निर्माण, अनुसंधान और विकास, स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप और टैलेंट एक्विजिशन में निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध है ताकि सतत दीर्घ-अवधि वृद्धि को समर्थन और सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए बेहतर वैल्यू सृजित की जा सके।